



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 172]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 27, 1982/अश्विन 5, 1904

No. 172]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 27, 1982/ASVINA 5, 1904

इस भाग के भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

बाणिज्य मंत्रालय

आयात-निर्यात नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 48-आई टी.पी. (पी.एन.)/82

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1982

विषय: अप्रैल, 1982-मार्च, 1983 के लिए आयात एवं निर्यात
नीति

मि. सं. 1/2/आर.ई.पी.0/74-ई. पी. सी. (जिन्ह-9)-यथा-
संशोधित, बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 16-आई. टी.
सी. (पी. एन.)/82, दिनांक 5 अप्रैल, 1982 के अंतर्गत प्रकाशित
अप्रैल, 1982-मार्च, 1983 की आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान
दिनाया जाता है।

2. निम्नलिखित संशोधन नीति में नीचे संकेतित उचित स्थानों पर
किए गए समझे जाएंगे :-

नया आयात-निर्यात

सं. नीति 1982-83

(जिन्ह-1) की

पृष्ठ सं.

संशोधन

संशोधन

1	2	3	4
1	7	अध्याय-6 पैरा 27	निम्नलिखित वाक्यों को घट में आगे जोड़ा जाएगा :- "इस नीति के पैरा 117 के

2 35 36

अध्याय-17

पंजीकृत निर्यातको

के लिए विशेष

सुविधाएं

अप-पैरा 138(3)

"लाख" शब्द के बाह निम्न-

लिखित को जोड़ा जाएगा:-

"(या उस विनिर्माता के मामले

में दो लाख रुपए से

परी होना चाहिए।"

1	2	3	4
	श्रीर 138(4) पाचवी पंक्ति	पहले के दो वित्तीय वर्षों के किसी वर्ष में बुद्धिमान उत्पादों के निर्यातों का जहाज पर नि.शुल्क मूल्य बुद्धिमान उत्पादों के उनके उत्पादों के किताबी मूल्य के कम से कम 25% है, किन्तु यह अधिकतम 10 लाख रुपये में जहाज पर्यन्त नि.शुल्क मूल्य के अधीन है।"	
3 37-38	अध्याय 17 अध्याय 17 न्यायसेवों के मध्ये पूजीगत माल का आयात उप-पैरा 142(1)(ड)	वर्तमान उप-पैरा 142(1)(ड) के बाद आगे निम्नलिखित उप-पैरा को जोड़ा जाएगा.— “(क) उपर्युक्त उप-पैरा (ग) में स्वीकृत बुद्धिमान उद्योग विनिर्माता को भी उपलब्ध हो गई इसमें से किसी के भी उत्पाद परिशिष्ट-17 में अध्याय 17 के हकदारी के लिए अर्हकता प्राप्त नहीं करते हैं, यद्यपि 1981-82 के दौरान उसके द्वारा विनिर्मित ऐसे उत्पादों के उसके निर्यातों का जहाज पर्यन्त मूल्य उनके उत्पादन के किताबी मूल्य के 25% से कम नहीं था और मूल्य में पाव लाख रुपए (जहाज पर नि.शुल्क) से भी कम नहीं था, लेकिन शर्त यह होगी कि 1982-83 के दौरान अनुमति मशीनरी का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य उनके उत्पादों के जहाज पर नि.शुल्क मूल्य के 5% से अधिक नहीं है, लेकिन यह अधिकतम 20 लाख रुपए के अधीन है। उपर्युक्त उप-पैरा (क) में निर्धारित अन्य शर्तें (3), (4) और (5) समान रूप से लागू होंगी।”	

मणि नारायणस्वामी, मुख्य निबंधक
आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 48—ITC (PN)/82

New Delhi, the 27th September, 1982

Subject.—Import and Export Policy for April, 1982—March, 1983.

File No. 1/2/REP/74-EPC (Vol. IX).—Attention is invited to the Import and Export Policy for April, 1982—March, 1983,

published under the Ministry of Commerce Public Notice No 16-ITC(PN)/82 dated the 5th April, 1982, as amended.

2. The following amendments shall be deemed to have been made in the policy at appropriate places indicated below:—

Sl.	Page No. of Import and Ex- port, Policy, 1982-83 (Vol-I)	Reference	Amendment
1.	2.	3.	4.
1.	7	Chapter 6 Para 27	The following further sentences shall be added at the end:— “The consumption of indigenous material (of the description covered by Appendices 5 and 7) obtained by Actual Users from indigenous producer against valid import licence under para 117 of this policy can also be included in the consumption certificate for the purpose of applying for Automatic licence. The Chartered Accountant etc. certifying the consumption should also give the Number, date and value of the import licence against which Actual User had obtained the material in question, from indigenous producer.,
2.	35-36	Chapter 17 Special Facilities to Registered Ex- porters, sub-para 138(3) and 138(4), 5th line.	After the word “lakh”, the following shall be added:— “(or shall not exceed Rs. two lakhs in the case of manufacturer whose f.o.b. value of exports of select products in any of the two previous financial years was at least 25 per cent of the book value of his production of selection products, with a minimum of Rs. 10 lakhs f.o.b.)”.

